विश्व संवाद केन्द्र

VISHVA SAMVAD KENDRA

57, North Avenue, New Delhi - 110 001, Phone / Fex : 011-23092266

Email : vhp.media57@yahoo.co.in

प्रेस विज्ञप्ति

साम्प्रदायिक हिंसा रोकथाम विधेयक के खिलाफ एकजुट हुए देशभर के सन्त

(देशद्रोही व समाज विध्वंसक विधेयक के विरुद्ध प्रचण्ड आन्दोलन की चेतावनी)

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 2011 ''साम्प्रदायिक एवं लक्षित हिंसा रोकथाम विधेयक 2011'' को हिन्दू धर्म व भारतीय समाज को विघटित करने वाले काले कानून की संज्ञा देते हुए आज देशभर के शीर्ष सन्तों ने इसके विरुद्ध प्रचण्ड आन्दोलन चलाने का मन बना लिया है। भारतीय संस्कृति सभा द्वारा आयोजित एक चिन्तन बैठक में सभी सन्तों ने एक स्वर से माना कि यह विधेयक समाज को दो भागों ('समूह' व 'अन्य') में बांटकर घोर वैमनस्य पैदा करेगा। विधेयक में पूर्व धारणा के तहत यह माना गया है कि दंगाई सदैव हिन्दू ही होता है, जो निश्चित रूप से विधेयक के निर्माताओं की षड्यंत्रपूर्ण मनोस्थिति को दर्शाता है।

भारतीय संस्कृति सभा के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय शीर्ष सन्त सम्मेलन दक्षिणी दिल्ली के रामकृष्णपुरम स्थित ज्वालामुखी मन्दिर में आज प्रारम्भ हुआ। इसमें भारत के कोने–कोने से भिन्न–भिन्न परम्परा एवं सम्प्रदायों के पूज्य सन्त व महंत सम्मिलित हुए। इसके अलावा देश के अनेक सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के प्रमुख पदाधिकारी भी उपस्थित थे। सभी ने एक स्वर से केन्द्र की यूपीए सरकार द्वारा गठित गैर सरकारी संस्था राष्ट्रीय सलाहकार परिषद, जिसकी अध्यक्षा भी स्वयं यूपीए सर्वेसर्वा श्रीमती सोनिया गांधी हैं, द्वारा तैयार इस विधेयक को घोर विघटनकारी व भारत के समरस सामाजिक ताने–बाने को तोड़ने वाला बताया, जिसका मुँहतोड़ जवाब देना पड़ेगा।

बैठक की अध्यक्षता जगद्गुरु मध्वाचार्य पूज्य विश्वेशतीर्थ जी (उडुप्पी) एवं संचालन महामण्डलेश्वर पूज्य स्वामी विश्वेश्वरानन्द जी महाराज द्वारा किया गया। प्रमुख रूप से कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य पूज्य जयेन्द्र सरस्वती जी महाराज, पूज्य महामण्डलेश्वर स्वामी सत्यमित्रानन्दगिरि जी, आचार्य महामण्डलेश्वर विश्वदेवानन्द जी महाराज, कर्नाटक से आए पूज्य स्वामी निर्मलानन्द जी महाराज, आदि चुनचुनगिरि मठ, पूज्य जियर स्वामी जी महाराज एवं इस समागम के संयोजक हिन्दू धर्म आचार्य सभा के महामंत्री पूज्य स्वामी परमानन्द जी महाराज व पूज्य स्वामी गोविन्ददेव गिरि जी महाराज उपस्थित थे। इनके अलावा विहिप के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक सिंहल सहित अनेक सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

प्रातःकाल सन्तों की शीर्ष समिति (कोर कमेटी) की भी एक बैठक हुई जिसमें **सेवानिवृत्त न्यायाधीश व राज्यपाल जस्टिस रामा ज्वाइस व जस्टिस वी. एस. कोकजे, सेवानिवृत्त आई. बी. अधिकारी श्री आर. एन. सिंह, सेवानिवृत्त रॉ अधिकारी श्री जे. पी. शर्मा, सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक श्री पी. सी. डोगरा, सेवानिवृत्त मुख्य सचिव–उत्तर प्रदेश शासन श्री वेंकट शेखरन, राजस्थान के सेवानिवृत्त एडवोकेट जनरल श्री गुरशरण सिंह गिल एवं जनता पार्टी के अध्यक्ष डॉ0 सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा बिल के कानूनी प्रावधानों के विषय में सन्तों के समक्ष विस्तार से वर्णन किया गया।**

यह बैठक कल प्रातःकाल 10.00 बजे से प्रारम्भ होकर दोपहर 1.00 बजे तक चलेगी, जिसमें इस बिल के समूल नाश हेतु एक प्रचण्ड आन्दोलन की घोषणा सन्तों द्वारा किए जाने की संभावना है। **इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री मोहनराव भागवत भी उपस्थित रहेंगे।**

जारीकर्ता

अनिल अग्रवाल, प्रबन्धक, विश्व संवाद केन्द्र